रक्षाबंधन पर सम्मान, पर्यावरण संरक्षण का संदेश

महापौर ने निगम के सफाई मित्रों को बांधी राखी, युवा संगठन ने बहनों को दिए पौधे

▶ सफाई मित्रों की रक्षा की जिम्मेदारी हमारी : महापौर

भोपाल, 9 अगस्त. भाई-बहन के प्रेम का त्योहार रक्षाबंधन शनिवार को राजधानी में धूमधाम से मनाया. इस दौरान महापौर मालती राय ने नगर निगम के सफाई मित्रों को रक्षा सूत्र बांधकर नागरिकों को उनका सम्मान करने और सेवा संकल्प युवा संगठन ने राखी के बदले बहनों को उपहार में पौधे भेंटकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया.

रक्षाबंधन के पावन अवसर पर शनिवार को हिंदी भवन में आयोजित कार्यक्रम में महापौर मालती राय ने नगर निगम के सीवेज प्रकोष्ठ के सफाई मित्रों को रक्षा सूत्र बांधे. उन्होंने सफाई मित्रों को नारियल, मिष्ठान, रूमाल भी भेंट किए और सफाई मित्रों के सम्मान में दोपहर का भोज भी दिया. इस अवसर पर महापौर राय ने कहा कि सफाई मित्र अपनी मेहनत, लगन और तत्परता से कार्य करते हैं उनका समुचित सम्मान भी होना चाहिए, इसी विचार के दृष्टिगत हमने अपने सफाई मित्रों को रक्षा सूत्र बांधने का निर्णय लिया. महापौर ने कहा कि हमने सफाई मित्रों को रक्षा सूत्र बांधा है तो उनकी रक्षा की जिम्मेदारी का निर्वहन भी हम करेंगे.

महापौर राय के नेतृत्व में महापौर परिषद की सदस्यों, जोन अध्यक्षों व पार्षद बहनों ने भी लगभग 125 सफाई मित्रों को राखियां बांधी.

> कार्यक्रम में प्रभारी मुख्य अभियंता उदित गर्ग के अलावा महापौर परिषद के सदस्य रविंद्र यति, आर के सिंह बघेल, सुषमा बबीसा, आनंद अग्रवाल, जोन अध्यक्ष बृजुला सचान, आरती अनेजा, विनीता सोनी, पूजा शर्मा, कुसुम चतुर्वेदी, प्रियंका मिश्रा, रीता विश्वकर्मा, शिखा गोहल, अनीता शुक्रवारे सहित बड़ी संख्या में निगम के सीवेज प्रकोष्ठ के अधिकारी व गणमान्य नागरिक मौजूद थे. इससे पहले महापौर राय ने 74 बंगला स्थित महापौर निवास पर भी सफाई मित्रों को राखी बांधी.

लवजिहाद के खिलाफ भगवान भोलेनाथ को बांधी राखी

▶ नरेला क्षेत्र में महिलाओं ने अनोखे तरीके से मनाया रक्षाबंधन

भोपाल, 9 अगस्त. भोपाल में बिगड़ती कानून व्यवस्था से नाराज महिलाओं ने रक्षाबंधन के मौके पर अनोखे तरीके से राखी मनाकर अपना विरोध जताया. हाउसिंग बोर्ड ऐशबाग स्थित भगवान भोलेनाथ मंदिर में बहनों ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर लव जिहाद और नशे के संरक्षण करने वाले नेताओं के खिलाफ भगवान भोलेनाथ को राखी बांधकर उनकी सदबुद्धि के लिए प्रार्थना की.

महिलाओं ने एक सुर में ऐलान किया है कि भोपाल में लव जिहाद जैसे प्रकरण को संरक्षण देने वाले नेताओं की खिलाफत की जाएगी. भगवान की आरती उतारकर महिलाओं ने ऐसे जनप्रतिनिधियों को सद्बुद्धि देने की कामना की.

> पूजा अर्चना के बाद भगवान को राखी बांधकर बहनों ने चुनरी भेंट कर अपना विरोध जताया. मौके पर पहुंचे कांग्रेस नेता मनोज शुक्ला ने महिलाओं से सुरक्षा के मुद्दे पर चर्चा की. शुक्ला ने कहा कि पिछले दिनों अन्ना नगर में अतिक्रमण का विरोध करने वाली एक महिला को सरेआम खोलते तेल से जला दिया गया. अस्पताल में इलाज के दौरान महिला की मौत हो गई. पुलिस ने आरोपियों को पकड़ लिया है, लेकिन अन्ना नगर में अभी भी राजनीतिक संरक्षण प्राप्त अतिक्रमणकारियों और गुंडे किस्म के लोगों का आतंक बना हुआ है. इस अवसर पर अनूप पांडे, सुरेश साहू, विजेंद्र शुक्ला, अमित खत्री, दिनेश माली, तरुण विश्वकर्मा, केशव राव मोरे आदि मौजूद थे

संस्कार केंद्र के बच्चों ने मनाया रक्षाबंधन

भोपाल, 9 अगस्त. सेवा भारती शंकराचार्य मंडल अंतर्गत छोला मंदिर संस्कार केंद्र के बच्चों द्वारा रक्षाबंधन कार्यक्रम मनाया गया जहां संस्कार केंद्र की बालिकाओं ने भाइयों को तिलक लगाकर और रक्षा सूत्र बांधकर आरती उतारी. वहीं भाइयों ने भी बहनों के चरण वंदन कर उपहार देने के साथ रक्षा का वचन दिया. सेवा भारती महानगर के मीडिया प्रभारी भगवानदास ढालिया ने बताया कि सेवा बस्तियों में संस्कार केंद्रों के माध्यम से शिक्षा ग्रहण कर रहे छात्र-छात्राओं को भारतीय संस्कृति के प्रत्येक तीज-त्योहार के महत्व बताने के साथ ही हर्षोल्लास से पर्व मनाते हैं. इस अवसर पर मंडल के कोषाध्यक्ष डॉक्टर शोभाराम पवार, देवीराम साहू, तारिका राठौर और संस्कार केंद्र की शिक्षिका वंदना सिंह आदि उपस्थित रहे.

बहनों को दिलाया पौधों की रक्षा का संकल्प

सेवा संकल्प युवा संगठन के द्वारा रक्षा बंधन पर्व पर बहनों को उपहार में बेलपत्र, पीपल, मीठा नीम, जूही, जैसे विभिन्न प्रजाति के पौधे भेंट किए. संगठन के सदस्यों ने बताया कि कोरोना काल में इन पौधों की उपयोगिता का पता चला था. बहनों को उपहार में दिए पौधे इम्यूनिटी बढ़ाने वाले हैं, ताकि बहनों का पर्यावरण के प्रति एक लगाव बना रहे. संगठन के अध्यक्ष प्रकाश मालवीय ने बताया कि संगठन के द्वारा सामाजिक क्षेत्र में विभिन्न कार्य किया जा रहे हैं, इसी तारतम्य में शनिवार को पर्यावरण का संदेश देने के लिए 38 बहनों को उपहार में पौधे भेंट किए गए. मालवीय ने बताया कि बहनों ने पौधे रोपने के साथ-साथ इनकी रक्षा का संकल्प लिया है. सभी ने अगले वर्ष से इन पौधों को भी रक्षा सूत्र और उनकी देखभाल करने का संकल्प लिया. इस अवसर पर अर्चना शर्मा, ऊषा अग्रवाल, रेखा बाथवी, पूजा मालवीय, राखी सोलंकी, प्रीति, सुनीता, आरती, बबली, आशा मालवीय सहित सभी बहनों ने पौधों के संरक्षण का संकल्प लिया.

एक नजर में

भगवान को अर्पित किए 700 श्रीफल, 700 अर्घ्य

भोपाल, 9 अगस्त. पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर अशोका गार्डन में रक्षाबंधन पर्व के अवसर पर उपाध्याय मुनि श्री विशोक सागर एवं मुनि श्री बिनीबोध सागर के सानिध्य में संगीतमय सालोन विधान आयोजित किया गया. मुनि श्री ने अपने प्रवचन में बताया कि हस्तिनापुर में अकंपनाचार्य मुनि के संघस्थ 700 मुनि राजों पर राजा बलि द्वारा किए गए उपसर्ग को विष्णु कुमार मुनि ने अपनी विक्रिया रिद्धि के माध्यम से उपसर्ग दूर करवाया था, जिससे 700 मुनियों की रक्षा हुई थी. इसके उपलक्ष्य में हस्तिनापुर वासियों ने एक दूसरे को कलावा के रूप में रक्षा सूत्र बांधे और एक दूसरे की रक्षा करने का संकल्प लिया और नगर में सिंवई की खीर का वितरण किया, तभी से रक्षाबंधन पर्व की शुरुआत हुई. इस अवसर पर विधान में 700 अर्घ्य के साथ 700 श्रीफल एवं पांच खंड का लाडू समर्पित किया गया. विधानाचार्य नितिन भैया द्वारा कार्यक्रम प्रारंभ करवाया गया. इसके बाद मंगलाचरण, अभिषेक, शांति धारा पूजन, गुरुदेव के प्रवचन उपरांत संगीत मय सालोन विधान सानंद संपन्न कराया गया. इस दौरान श्रद्धालुओं ने मंदिर जी की राखी एक दूसरे को रक्षा सूत्र मानकर अपनी-अपनी कलाइयों पर धारण की एवं सभी ने एक दूसरे को रक्षाबंधन पर्व की शुभकामनाएं दी.

अशोका गार्डन जैन मंदिर में संगीतमय सालोन विधान आयोजित

श्रावणी पर्व पर यजुर्वेद पारायण कल से

भोपाल, 9 अगस्त. राजधानी में श्रावणी पर्व के मौके पर यजुर्वेद पारायण यज्ञ का भव्य आयोजन किया जा रहा है. आर्य समाज मंदिर महावीर नगर 10 नंबर मार्केट 5 दिवसीय कार्यक्रम आयोजित होगा. धार्मिक कार्यक्रम में आचार्या श्रुति शास्त्री वेद उपदेशिका विशेष रूप से पधार रही हैं. सोमवार 11 से 16 अगस्त तक प्रतिदिन सुबह और सायंकाल तक यजुर्वेद परायण यज्ञ, भजन एवं वेद प्रवचन का आयोजन होगा. 17 अगस्त को प्रातः यज्ञ की पूर्ण आहुति होगी. यज्ञ में गुरुकुल की बृह्मचारिणियों द्वारा वेदपाठ किया जाएगा. आर्य समाज महावीर नगर के प्रधान वेद प्रकाश शर्मा ने बताया कि नगरवासियों से बड़ी संख्या में इस धार्मिक आयोजन में सम्मिलित होने के लिए अनुरोध किया गया है.

जल, जंगल और जमीन पर की चर्चा

भोपाल, 9 अगस्त. आदिवासी रोहतास सामाजिक महासभा और आईकफ के द्वारा भोपाल के कैंपियन स्कूल के ऑडिटोरियम में विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया.

जिसमें आदिवासी संस्कृति को लेकर सांस्कृतिक नृत्य और वेशभूषा को लेकर फैशन शो, उराऊ भाषा की लिपि तोलोंग सिकि की झलक जैसे विशेष कार्यक्रम का आयोजन हुआ. साथ ही आदिवासियों को जल, जंगल,जमीन के अधिकारों के साथ सांस्कृतिक विरासत नृत्य, वस्त्र, खान पान, भाषा, परंपरा को जीवन में बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित किया. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि फादर स्टैन तिर्की ये.स. एवं विशेष अतिथि फादर निर्दोष एक्का ये.स. उपस्थित रहे. वहीं आदिवासी समुदाय से वार्तालाप कर समुदाय की संस्कृति पर चर्चा की. कार्यक्रम में युवा निर्देशक फादर रविन्द्र बडा ये.स. आदिवासी रोहतास सामाजिक महासभा के अध्यक्ष पॉल एक्का, महासचिव नोवीतुस एक्का, उपाध्यक्ष असुंता टोप्पो, कुलदीप तिग्गा आदि उपस्थित थे.

पारंपरिक यंत्र से सरसों का तेल निकालना बताया

▶ मानव संग्रहालय में दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ

भोपाल, 9 अगस्त. राजधानी भोपाल के इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय में शनिवार सुबह 11:30 बजे Indigenous Inspirations (देशज प्रेरणाएं) नामक दो दिवसीय विशेष कार्यशाला का शुभारंभ हुआ.

कार्यशाला का उद्घाटन प्रो. के. के. शुक्ला, निदेशक, मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (मैनिट), भोपाल और डॉ. अमिताभ पांडे, निदेशक, मानव संग्रहालय द्वारा किया गया. कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य देश के पारंपरिक तकनीकी ज्ञान और हस्तकौशल को जीवंत रूप में प्रदर्शित करना है. कार्यशाला में शनिवार को मणिपुर के निगेल क्षेत्र की नमक निर्माण तकनीक का प्रदर्शन किया गया. थूम सुंग संग नामक इस तकनीक में पीढ़ियों से प्रचलित स्थानीय विधियों का उपयोग होता है. इसके अलावा छत्तीसगढ़ के सरगुजा क्षेत्र के कारीगरों द्वारा लकड़ी के पारंपरिक यंत्र 'ढेकी' का उपयोग कर सरसों से तेल निकालना बताया. दर्शकों ने बीज की सफाई, पारंपरिक पद्धति से पीसाई, गूंधना और तेल निष्कर्षण की पूरी प्रक्रिया देखी. इस दौरान इंफाल के शिल्पियों ने तानयेसंग उपकरण से सूर्य की स्थिति और छाया के आधार पर समय मापने का प्रदर्शन किया. पारंपरिक रूप से यह यंत्र कृषि कार्यों, धार्मिक अनुष्ठानों और दैनिक गतिविधियों के समय निर्धारण के लिए उपयोग किया जाता था. मणिपुर के मैतेई समुदाय के कारीगरों ने प्राचीन लौह गलाने की तकनीक का प्रदर्शन किया.

> जिसमें हस्तनिर्मित मिट्टी की भट्ठी, लकड़ी का कोयला और हाथ से संचालित धौंकनी का उपयोग कर लौह अयस्क को गलाया जाता है. दर्शकों ने धातु गलाने की संपूर्ण प्रक्रिया को देखा और लोहारों की सामाजिक भूमिका तथा इस पेशे के सांस्कृतिक महत्व के बारे में भी जाना. इस अवसर पर संग्रहालय के निदेशक डॉ. पांडे ने कहा कि यह कार्यशाला पारंपरिक तकनीकी ज्ञान को जन-जन तक पहुंचाने और भविष्य की पीढ़ियों को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है. जन संपर्क अधिकारी हेमंत बहादुर सिंह परिहार ने कहा कि यह कार्यशाला पारंपरिक ज्ञान, तकनीकी अभिव्यक्ति और सांस्कृतिक विविधता का एक उत्सव है.

चित्रपट संगीत के रंग में रंगी सावन मेले की तीसरी शाम

▶ कलाकारों ने मो. रफी, किशोर दा के नगमे सुनाए

▶ गौहर महल में आज भी जारी रहेगा सावन मेला

भोपाल, 9 अगस्त. गौहर महल में आयोजित सावन मेले में राष्ट्रीय हाथकरघा दिवस पर केंद्रित उत्सव की तीसरी शाम शनिवार को चित्रपट संगीत प्रस्तुति के नाम रही. इस अवसर पर भोपाल के शौकिया कलाकारों ने मंच पर आकर हिंदी सिनेमा के स्वर्णिम दौर के सदाबहार गीतों को अपनी मधुर आवाज में प्रस्तुत किया और श्रोताओं को बीते जमाने की संगीतमय यादों में ले गए.

कार्यक्रम का शुभारंभ सुरमयी धुनों के साथ हुआ, जहां कलाकारों ने एक के बाद एक प्रसिद्ध गीतों की श्रृंखला पेश की. सबसे पहले दर्शकों को मोहम्मद रफी के अमर गीतों का आनंद मिला, जिन्होंने अपने समय में लाखों दिलों पर राज किया था. चौदहवीं का चाँद और तेरी आँखों के सिवा जैसे नगमों पर श्रोताओं ने तालियों की गड़गड़ाहट से कलाकारों का उत्साह बढ़ाया. इसके बाद किशोर कुमार के गीतों ने माहौल को और भी रंगीन बना दिया. पल पल दिल के पास और जीवन से भरी तेरी आँखें जैसे गीतों पर दर्शक भी गुनगुनाने लगे.

> अजीब दास्तां है ये और लग जा गले जैसे भावपूर्ण गीतों ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया. सावन मेले के प्रबंधक और प्रभारी अरविंद शर्मा ने बताया कि यह विशेष उत्सव 10 अगस्त तक जारी रहेगा, जिसमें हर शाम अलग-अलग विषयों पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है.

देशज दिवस पर आयोजित हुए सांस्कृतिक कार्यक्रम

▶ मानस भवन के सभागार में दी प्रस्तुति

भोपाल, 9 अगस्त. देशज दिवस (इंडिजिनस डे) के अवसर पर शनिवार को मानस भवन सभागार में इंडिजिनस डे आर्गेनाइजिंग कमेटी गढ़ भोपाल के तत्वावधान में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए.

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वेड़मा भोज्जू पटेल विधायक तेलंगाना और विशिष्ट अतिथि धनंजय शाह उइके, आर.डी. भलावी, कोटनाके कोसेराव, मानिकराव अरका, डॉ. राजेश गोंड, डॉ. आनन्द सिंह वाल्के, डॉ. वंदना सिंह तेकाम, शरद कुमरे थे, अध्यक्षता अजीत सिंह तेकाम ने की. कार्यक्रम में देशज कार्यक्रम के विषयानुसार स्वदेशी लोगों का आत्मनिर्णय का अधिकार: खाद्य सुरक्षा और संप्रभुता पर प्रकाश डाला. समाज के होनहार बच्चों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई. संजू वाड़ीवा द्वारा स्वागत गीत से कार्यक्रम की शुरुवात की गई. प्रेमलता आर्मो द्वारा गोंडवाना की लहर चली गीत की प्रस्तुति दी गई.

सेहत को खतरा... | एम्स भोपाल की नर्सिंग छात्रा ने बरखेड़ा पठानी में किया अध्ययन

खिलौनों के चयन में पर्यावरण की अनदेखी कर रहे माता-पिता

भोपाल, 9 अगस्त. एम्स भोपाल के नर्सिंग महाविद्यालय में एमएससी पीडियाट्रिक नर्सिंग की छात्रा प्रगति कुमारी ने संस्थान के प्राध्यापकों के मार्गदर्शन में एक अध्ययन किया. इसमें पाया गया कि अधिकांश अभिभावक बच्चों के लिए खिलौने चुनते समय उनके पर्यावरणीय प्रभाव को बहुत कम महत्व देते हैं.

माता-पिता जहां कीमत, टिकाऊपन, दृश्य आकर्षण और सुरक्षा जैसे पहलुओं को प्राथमिकता देते हैं, वहीं पर्यावरण-अनुकूल (इको-फ्रेंडली) खिलौनों का चयन अक्सर नजरअंदाज कर देते हैं. यह अध्ययन 5 वर्ष तक की आयु के बच्चों के लिए खिलौनों के चयन को प्रभावित करने वाले कारकों की पहचान पर केंद्रित था. यह भोपाल के बरखेड़ा पठानी क्षेत्र में किया गया, जिसमें सुविधाजनक नमूनाकरण के माध्यम से कुल 251 अभिभावकों को शामिल किया गया.

अध्ययन में पाया गया कि खिलौनों खरीदते समय माता-पिता सबसे पहले कीमत (66.9 प्रतिशत), फिर टिकाऊपन (56.6 प्रतिशत) देखते हैं. इसके बाद खिलौने का रंग और रूप (48.2 प्रतिशत), बच्चे की उम्र के हिसाब से उपयोगी (45.4 प्रतिशत), सुरक्षा संबंधी चिंताएं जैसे छोटे पुर्जे या नुकीले किनारे (43.4 प्रतिशत), सौंदर्यात्मक मूल्य (37.8 प्रतिशत), बच्चे की क्षमताएं (36.7 प्रतिशत) और उसकी रुचियां (34.7 प्रतिशत). विकासात्मक और शैक्षिक पहलुओं में शारीरिक गतिविधि को बढ़ावा देना (34.3 प्रतिशत) और सामाजिक मेलजोल (32.7 प्रतिशत) भी शामिल थे. हालांकि, केवल 64.1 प्रतिशत मामलों में ही पर्यावरणीय प्रभाव को प्राथमिकता दी गई, जो दर्शाता है कि अधिकांश अभिभावक इस पहलू को गंभीरता से नहीं लेते.

> विशेषज्ञों का मानना है कि यह निष्कर्ष न केवल अभिभावकों के लिए, बल्कि चिकित्सा विशेषज्ञ, शिक्षकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और खिलौना निर्माताओं के लिए भी उपयोगी है. उनका कहना है कि यदि खिलौनों के चयन में पर्यावरणीय दृष्टिकोण को भी शामिल किया जाए, तो यह न केवल बच्चों के सुरक्षित और स्वस्थ विकास में सहायक होगा, बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी योगदान देगा.

22 स्केटर्स जयपुर में दिखाएंगे अपनी प्रतिभा

भोपाल, 9 अगस्त. कैम्पियन स्कूल भोपाल के 22 रोलर स्केटर्स 11 से 15 अगस्त को एसएनआर इंटरनेशनल स्कूल जयपुर, राजस्थान के स्केटिंग रिंक में आयोजित होने वाली सीबीएसई वेस्ट ज़ोन रोलर स्केटिंग प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए 10 अगस्त को रवाना होंगे.

यह पाँच दिवसीय सीबीएसई वेस्ट ज़ोन रोलर स्केटिंग प्रतियोगिता सीबीएसई द्वारा आयोजित की जा रही है. यह सभी स्केटर्स विभिन्न आयु वर्गों में क्वाडस व इनलाइन कैटेगरी में स्कूल का प्रतिनिधित्व करेंगे. कैम्पियन स्कूल के इन सभी स्केटर्स का चयन भोपाल में उनके शानदार प्रदर्शन व उनकी योग्यता के आधार पर हुआ है.

> खिलाड़ी कैम्पियन स्कूल के कोच संजय मिश्रा के मागदर्शन में स्केटिंग रिंक में नियमित प्रशिक्षण ले रहे हैं. इस प्रतियोगिता में विभिन्न राज्यों मध्यप्रदेश, गुजरात, राजस्थान, दादर नगर हवेली, दमन दीयू के सी.बी.एस.ई विद्यालयों के लगभग 1000 खिलाड़ी भाग लेंगे. प्राचार्य फादर डॉ.अथनस लकड़ा एस.जे., उप प्राचार्य मनोज मिंज एस.जे. व शारीरिक शिक्षा विभाग के एचओडी जोंसी कोशी ने सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी है.